B.A.- II (CBCS Pattern) Sem-IV

BA12A2-3 : Compulsory Pali (पालि आवश्यक)

P. Pages : 4 **GUG/W/22/12054**

Time : Three Hours * 0 0 2 4 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
सभी सवाल छुडाना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा कोटिगामे यथाभिरन्तं विहरित्वा येन नातिका तेनुपसङ्कमि। तत्र सुदं भगवा नातिके विहरति गिञ्जकावसथे। अथ खो अम्बपाली गणिका तस्सा रत्तिया अच्चयेन सके आरामे पणीतं खादनीयं भोजनीयं पटियादापेत्वा भगवतो कालं आरोचापेसि- "कालो, भन्ते निट्ठितं भत्त" न्ति। अथ खो भगवा पुब्बण्हसमयं निवासेत्वा पत्तचीवरमादाय येन अम्बपालिया गणिकाय परिवेसना तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा पञ्ञत्ते आसने निसीदि सध्दिं भिक्खु सङघेन। अथ खो अम्बपाली गणिका बुध्दप्पमुखं भिक्खुसंङ्घ पणीतेन खादनीय भोजनीयेन सहत्था सन्तप्पेत्वा सम्पवरित्वा भगवन्तं भुत्तावि ओनीतपत्तपाणिं एकमन्तं निसीद।

किंवा / अथवा

तेन खो पन समयेन रञ्ञो मागधस्स सेनियस्स बिम्बिसारस्स पच्चन्तो कुपितो होति। अथ खो राजा मागधो सेनियो बिम्बिसारो सेनानायके महामत्ते आणापेसि - "गच्छथ, भणे, पच्चन्तं उच्चिनथा" ति। "एवं, देवा" ति खो सेनानायका महामत्ता रञ्ञो मागधस्स सेनियस्स बिम्बिसारस्स पच्चस्सोसुं। अथ खो अभिञ्ञातानं अभिञ्ञातानं योधानं एतदहोसि - 'मयं खो युध्दाभिनन्दिनो गच्छन्ता पापञ्च करोम, बहुञ्च अपुञ्ञं पसवाम। केन नु खो मयं उपायेन पापा च विरमेच्चाम कल्याणञ्च करेय्यामा" ति? अथ खो तेसं योधानं एतदहोसि - "इमे खो समणा सक्यपुत्तिमा धम्मचारिनो समचारिनो ब्रम्हचारिनो सच्चवादिनो सीलवन्तो कल्याणधम्मा।

ब) पञ्चाबाधवत्थुचा सारांश लिहा. **6**
पञ्चाबाधवत्थु का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

उपालीदारक वत्थुचा सारांश लिहा.
उपालीदारक वत्थु का सार लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) नङ्गलेहि कसं खत्तं, बीजानि पवपं छमा।
पुत्तवारानि पोसेन्ता, धनं विन्दन्ति माणवा॥
2) किमहं सीलसम्पन्ना, सत्थुसासनकारिका।
निब्बानं नाधिगच्छामि, अकुसीता अनुध्दता॥

3) पादे पक्खालयित्वान, उदकेसु करोमहं।
पादोदकञ्च दिस्वानं, थलतो निन्नभागतं॥

4) ततो चित्तं समाधेसि, अस्सं भद्रं व जानियं।
ततो दीपं गहेत्वान, विहारं पाविसिं अहं।
सेय्यं आलोकयित्वान, यञ्चकम्हि उपाविसि॥

किंवा / अथवा

1) बुध्द वीर नमो त्युत्थु, सब्बसत्तानमुत्तम।
यो मं दुक्खा पमोचेसि, अञ्ञञ्च बहुकजनं॥

2) सब्बदुक्खं परिञ्ञातं, हेतुतण्हा विसोसिता।
भावितो अट्ठङ्गिको मग्गो, निरोधो फुसितो मया॥

3) माता पुत्तो पिताभाता, अय्यका च पुरे अहुं।
यथामुच्चयजानन्ती, संसरिहं अनिब्बिसं॥

4) दिट्ठो हि मे सो भगवा, अन्तिमोयं समुस्सयो।
विक्खीणो जातिसंसारो, नत्थि दानि पुनब्भवो॥

ब) उप्पलवण्णा थेरीगाथाचा सारांश लिहा. **6**
उप्पलवण्णा थेरीगाथा का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

अम्बपाली थेरीचे सौंदर्य वर्णन करा.
अम्बपाली थेरी का सौंदर्य वर्णन कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तेन खो पन समयेन रट्ठपालो नाम कुलपुत्तो तस्मिं थुल्लकोट्ठिके अग्गकुलस्स पुत्तोतिस्सं परिसायं निसिन्नो होति। अथ खो रट्ठपालस्स कुलपुत्तस्स एतदहोसि - 'यथा यथा ख्वाहं भगवता धम्मं देसितं आजानामि, नयिदं सुकरं अगारं अज्झावसता एकन्तपरिपुग्गं एकन्तपरिसुध्द सङ्खलिखितं ब्रम्हचरियं चरितुं। यन्नुनाहं केसमस्सु ओहारेत्वा कासायानि वत्थानि अच्छदित्वा अगारस्मा अनगारियं पब्बजेय्यं' ति। अथ खो थुल्लकोट्ठिका ब्राम्हणगहपतिका भगवता धम्मिया कथाय सन्दस्सिता समादपिता समुत्तेजिता सम्पहंसिता भगवतो भासितं अभिनन्दित्वा अनुमोदित्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा। पदक्खिणकत्वा पक्कयिंसु। अथ खो रट्ठपालो कुलपुत्तो अथिर पक्कन्तेसु थुल्लकोट्ठिकेसु ब्राम्हण गहपतिसु येन भगवा तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि।

किंवा / अथवा

एकं समयं भगवा राजगहे विहरति वेळुवने। कलन्दकनिवापे अथ खो अभयो राजकुमारो येन निगण्ठो नातपुत्तो तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा निगण्ठं नातपुत्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो अभय राजकुमारं निगण्ठो नातपुत्तो एतदवोच - 'एहि त्वं, राजकुमार, समणस्स गोतमस्स वादं आरोपेहि। एवं ते कल्याणो कित्तिसद्दो, अब्भुञ्जच्छिस्सति - 'अभयेन राजकुमार न समणस्स गोतमस्स एवं महिध्दिकस्स एवं महानुभावस्स वादो आरोपितो' ति। 'यथा कथं पनाहं, भन्ते, समणस्स गोतमस्स एवं महिध्दिकस्स एवं महानुभावस्स वादं आरापेस्सामी' ति?

ब) जीवक सुत्तातील मांसाहार विषयी तथागताचे मत लिहा. **6**
जीवक सुत्त में मांसाहार के संबंध में तथागत के मत लिखिए।

किंवा / अथवा

बोधिराज कुमार सुत्ताचा सारांश लिहा.
बोधिराज कुमार सुत्त का सार लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**
1) एत 2) किं 3) सब्ब

ब) निमित्तार्थक अव्यय लिहा **कोणतेही दोन.** **2**
निमित्तार्थक अव्यय लिखिए **कोई भी दो।**
1) पठ 2) कर
3) गम 4) भव

क) अव्यय ओळखा **कोणतेही दोन.** **2**
अव्यय पहचानिए **कोई भी दो।**
1) पिवितुं 2) गमित्वा
3) आहरितुं 4) सब्बदा

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।
1) ताय पुत्तो वाणिज्जं करोति।
2) सब्बे जना सङ्घा सरण गच्छन्ति
3) सो याचको बुध्दस्स धम्म सरिस्सति।
4) गुणवन्तो पुग्गला पुञ्ञानि करोन्ति।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**
पालिमें अनुवाद कीजिए।
1) तुझ्या बरोबर मी गातो.
तेरे साथ मै गाता हूँ।
2) भिक्खू पिण्डपात करतात.
भिक्खू पिण्डपात करते है।
3) आम्ही तिपिटक ग्रंथ वाचणार.
हम तिपिटक ग्रंथ पढ़ेंगे।
4) ती संघाला वंदन करते.
वह संघ को वंदन करती है।

5. अ) टिप्पणे लिहा **कोणतीही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**
1) आम्रपालि 2) जातक
3) मज्झिमनिकाय 4) थेरीगाथा

ब) योग्य पर्याय ओळखा. **10**

उचित पर्याय पहचानिएँ।

1) थेरीगाथेत एकूण गाथा किती. / थेरीगाथा में कूल गाथा कितनी।

अ) 523 ब) 522

क) 521 ड) 524

2) महावीराला म्हणतात. / महावीर को कहते है।

अ) निगण्ठनानपुत्तं ब) उपाली

क) संजय बेलट्ठिपुत्तं ड) आनंद

3) तिपिटक ग्रंथाची मूळ भाषा होय.

तिपिटक ग्रंथ की मूल भाषा है।

अ) पालि ब) संस्कृत

क) मराठी ड) प्राकृत

4) रट्ठपाल कुठे राहत होता. / रट्ठपाल कहा रहते थे।

अ) धुल्लकोटिक ब) राजगृह

क) वेनुवन ड) वाराणसी

5) मज्झिमनिकाय कोणत्या पिटकात येते.

मज्झिमनिकाय कौनसे पिटक में आता है।

अ) सुत्तपिटक ब) विनयपिटक

क) अभिधम्मपिटक ड) अनुपिटक

6) थेरीगाथा ग्रंथ कोणत्या निकायात येतो.

थेरीगाथा ग्रंथ किस निकाय में आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) दिघनिकाय

क) मज्झिमनिकाय ड) अंगुत्तरनिकाय

7) विनयपिटक ग्रंथाचे कर्ता कोण?

विनयपिटक ग्रंथ का कर्ता कोण?

अ) भन्ते उपालि ब) भन्ते सारिपुत्त

क) भन्ते आनंद ड) भन्ते राहुल

8) जीवकाचे मुळ नाव काय होते?

जीवक का मूल नाम क्या था।

अ) सुभय ब) सुदत्त

क) सुभत्त ड) सुजय

9) यश कुठे राहत होता. / यश कहाँ रहता था।

अ) वाराणसी ब) काशी

क) बनारस ड) वैशाली

10) बौध्दांचा धम्मग्रंथ हा नाही.

बौध्दों का धम्मग्रंथ यह नही है।

अ) गीता ब) तिपिटक

क) पालि साहित्य ड) धम्मपद

****